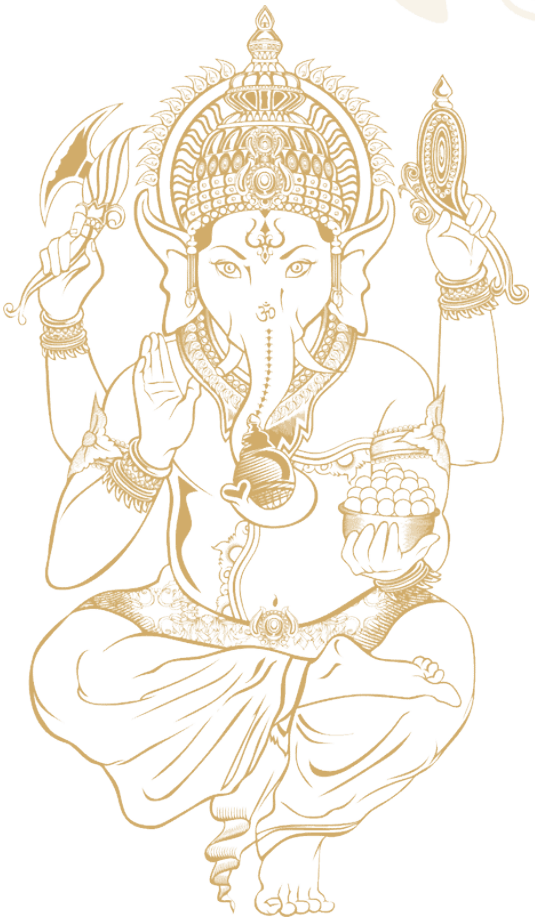

Ms.

02 Apr 2026

02:23 PM

Khalilabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121873908

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/04/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**14:23:00 घंटे**
इष्ट	21:27:23 घटी
स्थान	**Khalilabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:47:00 उत्तर
रेखांश	83:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:25:16 घंटे
वेलान्तर	-00:03:37 घंटे
साम्पातिक काल	03:08:09 घंटे
सूर्योदय	05:48:02 घंटे
सूर्यास्त	18:15:07 घंटे
दिनमान	12:27:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	18:24:08 मीन
लग्न के अंश	27:46:17 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:46:17	313:40:01	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			मीन	18:24:08	00:59:10	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	21:37:51	12:32:42	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	29:57:50	00:46:54	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	सम राशि
बुध			कुंभ	20:40:47	00:55:00	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मिथु	21:38:50	00:04:09	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	09:06:09	01:13:49	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:29:33	00:07:27	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:27:21	00:04:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:27:21	00:04:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:35:43	00:02:39	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:01:48	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	11:00:45	00:00:56	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	25:15:45	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

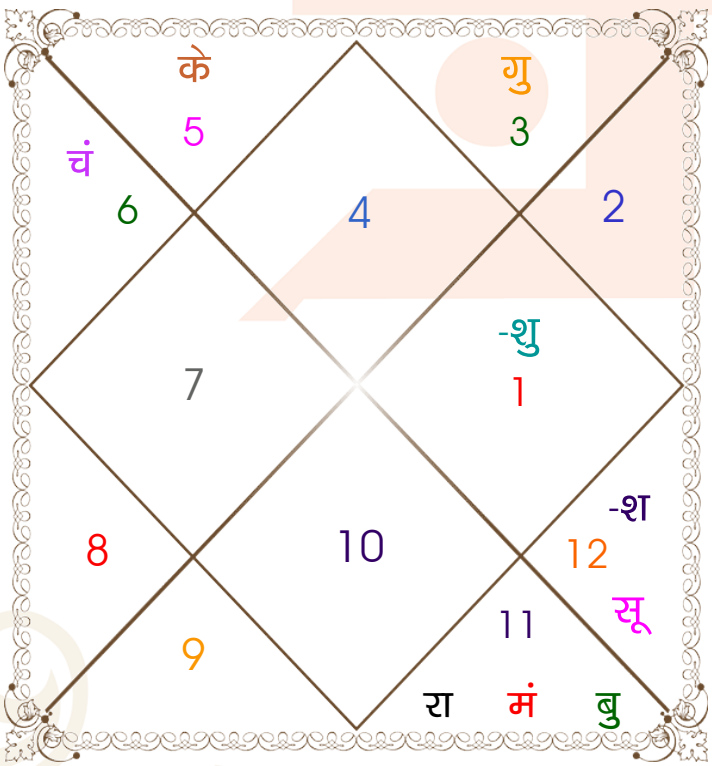

चन्द्र कुंडली

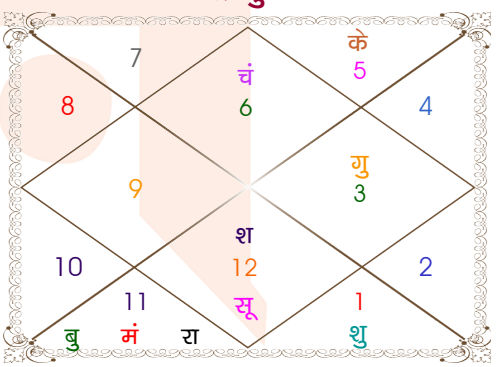

नवमांश कुंडली

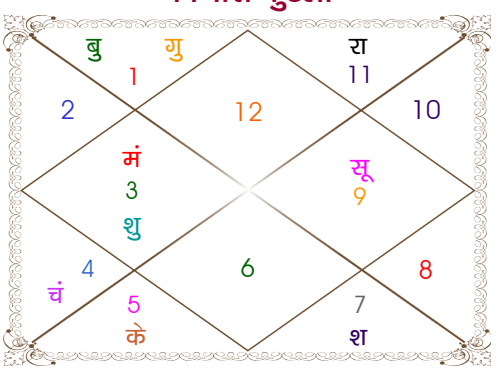

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 3 मास 9 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/04/2026		12/07/2027		12/07/2034		12/07/2052		12/07/2068	
12/07/2027		12/07/2034		12/07/2052		12/07/2068		12/07/2087	
	00/00/0000	मंगल	09/12/2027	राहु	24/03/2037	गुरु	30/08/2054	शनि	15/07/2071
	00/00/0000	राहु	26/12/2028	गुरु	18/08/2039	शनि	12/03/2057	बुध	25/03/2074
	00/00/0000	गुरु	02/12/2029	शनि	24/06/2042	बुध	18/06/2059	केतु	03/05/2075
	00/00/0000	शनि	11/01/2031	बुध	10/01/2045	केतु	24/05/2060	शुक्र	03/07/2078
	00/00/0000	बुध	08/01/2032	केतु	29/01/2046	शुक्र	23/01/2063	सूर्य	15/06/2079
	00/00/0000	केतु	05/06/2032	शुक्र	29/01/2049	सूर्य	11/11/2063	चंद्र	13/01/2081
	02/04/2026	शुक्र	05/08/2033	सूर्य	23/12/2049	चंद्र	12/03/2065	मंगल	22/02/2082
शुक्र	11/01/2027	सूर्य	11/12/2033	चंद्र	24/06/2051	मंगल	16/02/2066	राहु	29/12/2084
सूर्य	12/07/2027	चंद्र	12/07/2034	मंगल	12/07/2052	राहु	12/07/2068	गुरु	12/07/2087

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
12/07/2087		13/07/2104		13/07/2111		13/07/2131		13/07/2137	
13/07/2104		13/07/2111		13/07/2131		13/07/2137		00/00/0000	
बुध	08/12/2089	केतु	09/12/2104	शुक्र	12/11/2114	सूर्य	31/10/2131	चंद्र	13/05/2138
केतु	05/12/2090	शुक्र	08/02/2106	सूर्य	12/11/2115	चंद्र	01/05/2132	मंगल	12/12/2138
शुक्र	05/10/2093	सूर्य	16/06/2106	चंद्र	13/07/2117	मंगल	05/09/2132	राहु	12/06/2140
सूर्य	12/08/2094	चंद्र	15/01/2107	मंगल	12/09/2118	राहु	31/07/2133	गुरु	12/10/2141
चंद्र	11/01/2096	मंगल	13/06/2107	राहु	12/09/2121	गुरु	19/05/2134	शनि	14/05/2143
मंगल	07/01/2097	राहु	01/07/2108	गुरु	13/05/2124	शनि	01/05/2135	बुध	12/10/2144
राहु	28/07/2099	गुरु	06/06/2109	शनि	13/07/2127	बुध	07/03/2136	केतु	13/05/2145
गुरु	03/11/2101	शनि	16/07/2110	बुध	13/05/2130	केतु	13/07/2136	शुक्र	03/04/2146
शनि	13/07/2104	बुध	13/07/2111	केतु	13/07/2131	शुक्र	13/07/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 3 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।